नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

ऑपरेशन सिंदूर : पाकिस्तान की रणनीतिक हार

भारतीय वायु सेना अध्यक्ष, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का हालिया बयान केवल एक सैन्य सफलता की घोषणा नहीं, बल्कि भारत की बदलती सामरिक मानसिकता का प्रत्यक्ष प्रमाण है. 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े अवाक्स विमान को मार गिराना, दक्षिण एशिया के रणनीतिक समीकरणों को झकझोर देने वाली घटना है. इस अभियान में एस - 400 एयर डिफेंस सिस्टम की भूमिका केंद्रीय रही. यह रूसी मूल का, 400 किमी से अधिक दूरी तक हवाई लक्ष्यों को निशाना बनाने वाला अत्याधुनिक रक्षा तंत्र है. अपनी गति, सटीकता और बहु-लक्ष्य साधने की क्षमता के कारण इसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ वायु रक्षा प्रणालियों में गिना जाता है. 'ऑपरेशन सिंदूर' में एस - 400 ने पाकिस्तान के हाई-वैल्यू टारगेट्स को सीमा पार से ही खत्म कर दिया, जिससे यह साफ हो गया कि भारत के हवाई क्षेत्र में दुश्मन का प्रवेश अब लगभग असंभव है, और भारत की 'काउंटर-स्ट्राइक' क्षमता बेहद घातक है.

पांच लड़ाकू विमानों का नुकसान पाकिस्तान एयर फोर्स के लिए केवल संख्या में कमी नहीं है. इसमें प्रशिक्षित पायलटों का खोना, स्क्वाड्रन की तैयारियों में गिरावट और वायु शक्ति की मनोबल हानि शामिल है. इससे भी गंभीर है अवाक्स विमान का गिराया जाना — जो दुश्मन के लिए 'आंख और कान' की तरह होता है. यह विमान रडार, सेंसर और कम्युनिकेशन सिस्टम के जरिए सीमा पार निगरानी, रियल-टाइम चेतावनी और हवाई अभियानों का मार्गदर्शन करता है. इसे खोने का मतलब है कि पाकिस्तान की 'अर्ली वार्निंग' क्षमता कई महीनों के लिए पंगु हो गई. मई 2025 के इस अभियान में जब भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर प्रहार किए, तब वायु सेना का यह समन्वित प्रहार यह दर्शाता है कि भारत अब केवल रक्षा तक सीमित नहीं है. नई सैन्य सोच के तहत, आतंक के ठिकानों को नष्ट करना और दुश्मन की मारक क्षमता को एक ही समय पर कमजोर करना अब भारत की प्राथमिकता है. यह रणनीति 2016 के 'सर्जिकल स्ट्राइक' और 2019 के 'बालाकोट एयर स्ट्राइक' से एक कदम आगे है, जहां अब जवाब केवल 'संदेश' नहीं, बल्कि 'स्थायी क्षति' देने वाला है. ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान को साफ संदेश दिया है कि भारत के पास अब लंबी दूरी से सटीक हमले करने की क्षमता है, और वह इसे इस्तेमाल करने से हिचकेगा नहीं. पाकिस्तान को अब अपने वायु रक्षा तंत्र को दुरुस्त करने, खुफिया जुटाने की पद्धति बदलने और हवाई हमलों की योजना में व्यापक बदलाव करने की आवश्यकता होगी. इस घटना ने सामरिक संतुलन को भारत की ओर झुका दिया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की स्थिति कमजोर की है.

आधुनिक युद्ध में केवल संख्या नहीं, बल्कि तकनीक, खुफिया और समयबद्ध प्रहार निर्णायक होते हैं. 'ऑपरेशन सिंदूर' इसका आदर्श उदाहरण है. भारत ने साबित किया कि दुश्मन को चेतावनी देने, उसकी क्षमता घटाने और अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अब वह हर स्तर पर तैयार है. बहरहाल, यह ऑपरेशन पाकिस्तान के लिए एक चेतावनी और भारत के लिए एक उपलब्धि है, यह दर्शाता है कि अब खेल के नियम बदल चुके हैं, और भारत के पास सिर्फ ढाल नहीं, बल्कि बेहद धारदार तलवार भी है. कुल मिलाकर भारतीय वायु सेना अध्यक्ष का हाल का बयान अत्यंत महत्वपूर्ण है. इससे पता चलता है कि भारत की सैनिक क्षमताएं कितनी मजबूत हैं.

इंडिया गठबंधन अपने मकसद में कितना सफल !

श्याम यादव

भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में आने से रोकने के लिए लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी पार्टियों ने सामूहिक रूप से बनाए गए इंडिया गठबंधन से इसके एक घटक 'आम आदमी पार्टी' ने नाता तोड़ लिया इससे पहले भी नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड और जयंत चौधरी का राष्ट्रीय लोकदल भी इंडिया गठबंधन को छोड़ चुका हैं. सवाल अब यह है कि इस साल के अंत और अगले साल के प्रारंभ में होने वाले बिहार और बंगाल के विधानसभा चुनाव के पहले तक यह इंडिया गठबंधन एक रह पाता है या इसमें शामिल अन्य दल भी इसका साथ छोड़ देंगे!

इंडिया गठबंधन बनाने का एकमात्र कारण केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में आने से रोकना था. उसमें यह गठबंधन काफी हद तक सफल भी रहा. लगातार दो बार सत्ता में रहने वाली भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार जब 400 पार का नारा लेकर चुनाव में उतरी, तो इंडिया गठबंधन ने उसे महज 240 सीटों पर ही समेत दिया. वहीं लोकसभा चुनाव में गठबंधन के अन्य दलों की तुलना में कांग्रेस को सबसे ज्यादा फायदा हुआ. उसकी सीटें 55 से 99 तक पहुंच गई और कांग्रेस इस बार प्रमुख विपक्षी दल का दर्जा पा गई. दूसरे नंबर पर फायदे में समाज़वाड़ी पार्टी रही, जिसकी सीटें 37 हो गई.

लोकसभा चुनाव के बाद हुए विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन और उसके दलों के बीच संतुलन नहीं बना रह सकाद्य खासकर आम आदमी पार्टी के साथ तो बिल्कुल भी नहीं. लोकसभा में भी दिल्ली की सभी सीटों पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच हुए गठबंधन के बावजूद भारतीय जनता पार्टी को रोक नहीं पाएद्य जबकि, दिल्ली में उस समय केजरीवाल की सरकार थीद्य बस यहीं से कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच जो फासला बढ़ा वह दिल्ली, हरियाणा, और पंजाब के विधानसभा चुनाव में दिखा, जहाँ आम आदमी पार्टी अकेले ही चुनाव लड़ीद्य पंजाब में तो दोनों दल आमने सामने थे और दिल्ली में त्रिकोणी मुकाबला हुआ द्य नतीजा पंजाब में कांग्रेस ने अपनी सरकार खोई तो दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने.

आम आदमी पार्टी भले ही राष्ट्रीय दल का दर्जा प्राप्त कर चुकी हो, लेकिन राज्य में अभी भी वह भाजपा के खिलाफ भी खड़ी है और कांग्रेस के भीद्य यही कारण है कि उसके नेता यह कहकर इंडिया गठबंधन से संबंध तोड़ रहे हैं कि यह गठबंधन केवल लोकसभा के चुनाव तक ही थाद्य अब यह सवाल उठता है कि इस वर्ष के अंत में और आगामी वर्ष के प्रारंभ में बिहार और बंगाल के चुनाव होने हैं बिहार का राष्ट्रीय जनता दल इंडिया गठबंधन में शामिल था और वह वर्तमान में बिहार में प्रमुख विपक्षी दल भी हैद्य क्या वह अपनी सीटों का बंटवारा कांग्रेस से करेगा या फिर वह भी गठबंधन से अलग होकर अपनी लड़ाई लड़ेगा और ऐसा ही माहौल पश्चिम बंगाल में भी देखने को मिल सकता है जहां ममता बनर्जी की सरकार है और तृण मूल कांग्रेस इंडिया गठबंधन में शामिल हैद्य ममता बनर्जी की सरकार को हटाने के लिए भाजपा अपना जोर लगाएगी यह तय है. लेकिन, विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन से ममता बनर्जी सीटों का बंटवारा करेगी, इसकी संभावना कम ही हैद्य यानी तृण मूल कांग्रेस अपनी सीटों का बाँटवारा करने के बजाए खुद मैदान में रहेगी. इसके लिए वे इंडिया गठबंधन का साथ छोड़ सकती हैद्य क्योंकि, कांग्रेस भी उनके सामने होगीद्य मुकाबला त्रिकोणीय तृण मूल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस का हो सकता है.

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना यूबीटी, एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस गठबंधन कामयाब नहीं हुआद्य चुनाव के बाद अब एनसीपी शरद पवार और अजित पवार के बीच नजदीकियां बढ़ रही हैं. कयास लगाए जा रहें हैं कि दोनों पार्टियों का एकीकरण हो जाए और अकेले पड़े शरद पवार पीएम मोदी के साथ हो जाएद्य ऐसा ही कुछ नज़ारा जम्मू-कश्मीर में भी हैद्य विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत तो हुईद्य नेशनल कॉन्फ्रेंस की राज्य में सरकार बनीं तो कांग्रेस ने सरकार में न रहने की बात कही. खास बात यह भी रही सीएम बने उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस को एक मंत्री पद देने की बात कही थी, लेकिन कांग्रेस ने इससे इनकार किया था.

नेशनल कॉन्फ्रेंस पहले भी एनडीए के साथ गठबंधन कर चुकी है और अभी जिस तरह के बयान उमर अब्दुल्ला के आ रहें हैं उससे लगता नहीं की वे ज्यादा दिन इण्डिया गठबंधन का साथ निभाएंगे बंगाल और केरल में भी वामदलों का दबदबा रहेगा. शरद पवार से लेकर ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव उमर अब्दुल्ला की राहें भी अब आम आदमी पार्टी की तरह इंडिया गठबंधन से अलग रहने वाली हैं, ऐसा अनुमान है. बिहार और बंगाल के चुनाव इंडिया गठबंधन के भविष्य का रास्ता निर्धारित करने वाले होंगे. कांग्रेस अकेले चलेगी या गठबंधन बनेगा ये इन चुनावों के परिणाम तय कर देंगे.

विन्ध्य की डायरी

वक्त ने किया .... तुम रहे न तुम, हम रहे न हम

डॉ. रवि तिवारी

काला सफेद के युग में बनी फिल्म कागज के फूल का एक गीत ....वक्त ने किया क्या हसीं सितम तुम रहे न तुम हम रहे न हम.... फिलहाल विन्ध्य की जनता के साथ कुछ ऐसा ही हो रहा है. सदियों से जंगल पहाड़ में रहने वाली विन्ध्य की जनता जिस चहुँ मुखी विकास की कल्पना मन मे सजोए अपनी धरोहरों को लुटाती आ रही है. वह आज भी बदस्तूर कायम है. विन्ध्य की जनता ने जिस पर भी भरोसा किया. उसी ने उसके साथ सौदेबाजी करने में तनिक भी देर नही की. देश दुनिया के बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने यहाँ की संपदा का दोहन कर अरबों कमाए पर जनता को उसकी मजदूरी छोड़ कभी कुछ अतिरिक्त नही मिला.

कुछ ऐसा ही मसला विन्ध्य के पुनर्गठन के दौरान सामने आया है. मध्यप्रदेश के निर्माण में सबसे ज्यादा पैतीस रियासतों की बलि देने वाले विन्ध्य के नेता अब गांवों को इधर-उधर करने में आमादा है. हालांकि बात बढ़ते देख सभी ने यहीं कहा कि वो ऐसा नही चाहते हैं. तब प्रश्न यह उठता है कि यह बात सामने कैसे आयी. भोपाल ने किसके कहने पर पत्र जारी कर मुकुंदपुर को अमरपाटन से अलग कर रीवा जोडने् के लिए स्थानीय अधिकारियों से अभिमत मांग लिया. खैर उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट कर दिया है कि उन्होंने ऐसा कभी नही चाहा और न ही किसी प्रकार की कोशिश की.

फिलहाल सौदागरों के हाथ की कठपुतली बन चुकी व्यवस्था में यह तो तय है कि इससे किसी न किसी का कोई बड़ा लाभ छिपा हुआ है. जो सत्ता की बागडोर के सहारे विन्ध्य की किसी बड़ी धरोहर को अपने कब्जे में करना चाहता है. यह बात हो सकता है आने वाले समय में सामने आ जाए.

न्याय सत्याग्रह के पीछे शक्ति प्रदर्शन

विधानसभा-लोकसभा चुनाव में करारी हार का सामना करने वाली कांग्रेस पार्टी न्याय सत्याग्रह के बहाने शक्ति प्रदर्शन करने जा रही है. बढ़ते अपराध, बिगड़ी कानून व्यवस्था सहित विभिन्न जन समस्याओ को लेकर कांग्रेस प्रदेश सरकार को रीवा में घेरेगी. गुटबाजी में उलझी पार्टी जन समस्याओ को लेकर मैदान में भले ही दिखाई न दे पर जब खुद पर कोई बात आती है तो उसे अन्याय, अत्याचार और बिगड़ी कानून व्यवस्था का रूप देकर नेता जन आन्दोलन की बात करते है.

खाद-बीज से जिले का किसान आषाढ़ के महीने में जूझता रहा पर कांग्रेसी नेताओं के कान में जूं तक नही रेंगी. विपक्ष की भूमिका को याद करते हुए न्याय सत्याग्रह कांग्रेस करने जा रही है. भला मंच के भाषण से जनता का क्या कल्याण होने वाला है. केवल शक्ति प्रदर्शन के लिये यह सब किया जा रहा है. जग जाहिर है कि कांग्रेस छत्रपो की राजनीत में उलझी हुई है.

विंध्य में सुमंगल साइकिल

शोरगुल और तमाम तामझाम फोटो सेसन के साथ नित नए अभियानों की शुरूआत होती है पर वक्त के साथ नवाचार अभियान दम तोड़ देते है. फिर चाहे पर्यावरण या स्वास्थ्य से जुड़े अभियान हो, विंध्य में संभागायुक्त बीएस जामोद की पहल पर साइकिल का सफर शुरू हुआ है. पर्यावरण संरक्षण, इधन की बचत और स्वास्थ्य रक्षा का संदेश देने के लिये संभाग के सभी जिलो में मंगलवार को सुमंगल साइकिल अभियान शुरू किया गया. आला अफसर खुद कमिश्नर कार छोड़ साइकिल की पायडल मारते हुए दफ्तर पहुंचे. कुछ अफसर पैदल सफर तय किये. बेशक अच्छी पहल है लेकिन जब यह निरंतर चलती रहे. कई अधिकारी अपना जलवा बनाए रखने के लिये कार से ही पहुंचे, कैमरा देख मुंह छिपाते नजर आए. स्वैच्छिक रूप से मंगलवार को साइकिल चलाकर कार्यालय आने का यह अभियान कितना कारगर होगा यह तो वक्त बताएगा.

चुनाव में फर्जी वोटिंग का आरोप वाकई गंभीर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी का यह आरोप काफी गंभीर है कि देश में फर्जी वोटिंग हो रही है. महाराष्ट्र में 40 लाख फर्जी वोटर होने की बात तो वे कहते आ रहे हैं, अब उन्होंने बेंगलुरू सेंट्रल लोकसभा सीट के अंतर्गत आनेवाली महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 6.5 लाख वोटों में से 1 लाख से अधिक वोटों की चोरी का आरोप लगाया है. उनका दावा है कि वहां 11,695 डुप्लीकेट वोट पड़े. मतदाता सूची में 40,001 फर्जी और अवैध पते हैं. 10,452 वोटरों का एक ही पता दर्शाया गया है. एक कमरे के घर में 80 मतदाता बताए गए हैं. 4132 अवैध फोटो है तथा फार्म 6 का दुरूपयोग हुआ है. 11,000 संदिग्ध लोगों ने 3 बार वोट डाला. कोई एकदम से कैसे कह सकता है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता गलतबयानी कर रहे हैं? उन्होंने चुनाव आयोग और बीजेपी की मिलीभगत का आरोप लगाया है. चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था को उन्होंने निशाने पर लिया है. राहुल के इस रवैये से बीजेपी तिलमिला गई है. यह ऐसी पार्टी है जो हमेशा चुनाव के लिए तत्पर रहती है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नाराजी से कहा कि राहुल को अपने दिमाग की जांच करानी चाहिए. या तो उनका दिमाग चोरी हो गया है या उसमें लगी चिप गायब हो गई है. वह अक्सर ऐसे बयान देते रहते हैं.

कर्नाटक के चुनाव आयुक्त ने राहुल को पत्र लिखकर चुनौती दी कि जिन मतदाताओं के नाम, पते और पहचान को लेकर धांधली के आरोप लगाए हैं, उसके प्रमाण के साथ शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें नहीं तो अपना बयान वापस लें. राहुल का सवाल है कि बार-बार मांगने पर भी चुनाव आयोग इलेक्ट्रानिक डेटा क्यों नहीं देता? क्या चुनाव आयोग का डेटा गलत है? क्या यह माना जाए कि राहुल के सारे आरोप हवा-हवाई हैं? एक जिम्मेदार नेता के रूप में वह जानते हैं कि शपथ पत्र पर गलत जानकारी देना गुनाह है. यदि चुनावों में इतनी धांधली हुई है तो इसे पक्के सबूतों के साथ कोर्ट में चुनौती दी जानी चाहिए. कितनी ही बार इलेक्शन पिटीशन दायर करने पर कोर्ट ने न्याय दिया है. राहुल के आरोपों से संदेह का वातावरण बन गया है जिसे दूर करना आवश्यक है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

देखभाल का रहेगा अच्छा दर्जा माधुरी को लेकर चल रही चर्चा

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, इन दिनों माधुरी काफी चर्चा में है. उसे वापस लौटाने की मांग की जा रही है. दूसरी ओर यह भी दावा किया जा रहा है कि माधुरी की देखभाल बहुत अच्छे तरीके से की जा रही है. आपकी माधुरी को लेकर क्या राय है?

हमने कहा, माधुरी की शुरूआत बड़ी धमाकेदार रही. फिल्म तेजाब में उस पर एक दो-तीन वाला फड़कदार गाना फिल्माया गया था. फिर जब उसने धक-धक करने लगा, मेरा जियरा डरने लगा गाने पर डांस किया तो लोग उसे धक-धक गर्ल के नाम से पुकारने लगे. फिल्म साजन में माधुरी ने सलमान खान और संजय दत्त के साथ अभिनय किया था. फिल्म हम आपके हैं कौन में सलमान के साथ उसकी रोमांटिक जोड़ी खूब जंची थी. फिल्म खलनायक में उस पर बोल्ड गीत फिल्माया गया था- चोली के पीछे क्या है! मराठी मुलगी माधुरी के हिंदी फिल्मों में काम करने पर राज ठाकरे ने कभी भी आपत्ति नहीं जताई थी. माधुरी ने अनिल कपूर के साथ भी कई फिल्मों में अभिनय किया. डा.

श्रीराम नेने के साथ शादी कर माधुरी ने गृहस्थी बसा ली. देखते ही देखते वह लगभग 50 साल की हो गई.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, आपकी आदत विषयांतर करने की है. हमने माधुरी नामक हथिनी की बात की थी लेकिन आप अभिनेत्री माधुरी दीक्षित का जिक्र करने लगे. हथिनी और हीरोइन में फर्क होता है.

हमने कहा, सौंदर्य शास्त्र के विशेषज्ञों ने सदियों पहले महिलाओं के आकार-प्रकार को देखकर उन्हें पद्मिनी, शंखिनी, हस्तिनी जैसी श्रेणियों में बांटा था. चित्रकार मकबूल फिदा हुसैन ने माधुरी दीक्षित को लेकर जो फिल्म बनाई थी उसका नाम गजगामिनी था. आपने राजेश खन्ना और तनूजा की फिल्म हाथी मेरे साथी देखी होगी. हर ऐतिहासिक फिल्म में हाथी रहा करता था. हाथी को अंग्रेजी में एलिफेंट, टस्कर और पैचीडर्म कहा जाता है. मैसूर में दशहरे के त्यौहार पर सजे-धजे हाथियों को देखने भीड़ उमड़ पड़ती है. धन की देवी लक्ष्मी के आजू-बाजू 2 हाथी रहते हैं. इंद्र का वाहन ऐरावत हाथी है.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, आकाश अंबानी की संस्था वनतारा की ओर से बयान आया है कि माधुरी हथिनी की अच्छी तरह देखभाल व उपचार किया जाएगा. इसके लिए कोल्हापुर के निकट नांदणी क्षेत्र में पुनर्वास केंद्र शुरू करने का प्रस्ताव रखा गया है. जैन संस्थान मठ और कोल्हापुर के लोगों के लिए माधुरी का अत्यधिक धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है. इस मामले में अदालत के निर्देशों का पालन किया जाएगा.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11989

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2	■	3	4		■	5
6		■	7		■	8	
	■	9	■	10	11		
12	13		14	■	15		■
■	16			■		■	17
18		■	19	20		■	
	■	21			■	22	
23			■	24			

बाएं से दाएं

1. बजाने वाला, नाद करनेवाला (सं.) 3. गिनती में तीन के स्थान पर 6. धीमा, सुस्त 7. स्मृति, स्मरण करने की क्रिया 8. लकड़ी काटने का एक औजार 10. ऐसा समय जिसमें पुरानी बातें प्राय: समाप्त होकर नई बातें प्रचलित हो रही हों 12. बचावपूर्ण 15. लहू 16. लज्जित होना या करना 18. मछली, एक राशि (सं.) 19. वह पात्र जिसमें पौधे लगाए जाते हैं 21. फासला, भेद, फरक, दूरी 22. रात (सं.) 23. चांदी 24. जो नष्ट होने वाला है, नाश को प्राप्त होने वाला

ऊपर से नीचे

1. अस्वीकृत, अमान्य (उर्दू) 2. दर्शन, देखा हुआ, दीदार 3. स्त्री, औरत 4. घर, मकान (सं.) 5. पुष्परज 8. किसी कार्य विशेष के निमित्त नियुक्त आयोग का सदस्य जिसे विशेष अधिकार दिया गया हो, कमिश्नर 9. पुत्री (सं.) 11. वर के गले में पहनायी जाई वाली माला 13. धोना (सं.) 14. पितृ-पक्ष, श्राद्ध 17. इच्छा, लालसा, चाह (उर्दू) 18. बहुत ऊंचा और गोलाकार स्तंभ, लाट 20. प्राणियों की सारी शारीरिक क्रियाओं का सदा के लिए अंत होना, आसक्त 21. समाप्ति 22. वह छिछला गोल बर्तन जिस पर रोटी सेंकते हैं

Solution 11988

आ	रा	म	■	ब	ल	वा	न
शु	■	न	गा	ड़ा	■	■	■
तो	प	ची	■	■	इ	स्ता	न
ष	■	ता	ना	बा	ना	■	के
■	ला	■	टा	ल	म	टो	ल
बे	ग	म	■	स	■	ना	■
का	त	ना	■	खा	स	■	जी
री	■	ही	ना	■	ई	शा	न

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में स्त्री पक्ष से नवीन समाचार की प्राप्ति होगी, सुख प्राप्त होगा, नवीन मित्र से भेंट होगी, व्यापार के क्षेत्र में यात्रा की रूपरेखा बनेगी, वर्ष के प्रारंभ में शासन सत्ता का लाभ प्राप्त होगा, शिक्षा में रूचि रहेगी, मित्रों एवं भाईयों के सहयोग से राजनैतिक लाभ प्राप्त होगा, वर्ष के अन्त में भूमि भवन संबंधी विवाद का सामना करना पडेगा, व्यर्थ के विवाद एवं मतभेद बढेंगे.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता का सुख प्राप्त होगा, शिक्षा में रूचि रहेगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ वाद विवाद हो सकता हे, शिक्षा में व्यवधान के कारण मानसिक परेशानी होगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को मित्र एवं भाईयों के सहयोग से राजनैतिक लाभ प्राप्त होगा, व्यापार के क्षेत्र में लाभ का योग है, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मित्र से भेंट होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को भूमि भवन संबंधी विवाद का सामना करना होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक संकोची, एकांतप्रिय होगा, शिक्षा अच्छी और उत्तम रहेगी, नौकरी में सफ्लता मिलेगी, जन्म स्थान से दूर भाग्योदय होगा, आय के एक से अधिक साधन उपलब्ध रहेंगें.

उदयकालीन ग्रह चाल

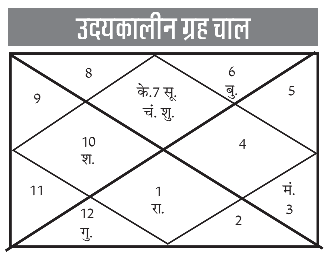

पंचांग

रा.मि. 20 संवत् 2082 भाद्रपद कृष्ण द्वितीया चन्द्रवासरे दिन 11/26, शतभिषा नक्षत्रे दिन 2/53, अतिगण्ड योगे रात 12/20, गर करणे सू.उ. 5/30 सू.अ. 6/30, चन्द्रचार कुम्भ, शु.रा. 11, 1, 2, 5, 6, 8 अ.रा. 12, 3, 4, 7, 9, 10 शुभांक- 4, 6, 0.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद कृष्ण द्वितीया को शतभिषा नक्षत्र के प्रभाव से गेहूं, जौ, चना, तिल, तेल, मोठ के भाव में मंदी होगी, सरसों, अरंडी, गुड़, शक्कर के भाव में घट-बढ़ रहेगी, आज 11 बजकर 10 मिनिट से 15 मिनिट के रूख पर व्यापार करना लाभकारी रहेगा. भाग्यांक 7033 है.

मेष- दौड़धूप के अच्छे परिणाम मिलेंगे, धर्म कर्म में आस्था बढ़ेगी, यात्रा सुखद और अच्छी रहगी, विवादों का समाधान होगा, पारिवारिक कार्यों में रूचि रहेगी.

वृषभ- झूठ बोलकर मुश्किल में पड़ सकते हैं, वाणीं में नियंत्रण रखकर कार्य करना हितकर रहेगा, मित्र वर्ग आपके संबंधों से संतुष्ट रहेंगे.

मिथुन- पुराने झगडे सुलझने के आसार हैं, प्रियजन से मुलाकात सुखमय रहेगी, निर्माण कार्यों में रूचि, संतान संबंधी सुखद समाचार प्राप्त होगा.

कर्क- लेन देन के मामले सुलझने का योग है, लम्बी दूरी की यात्रा होगी, नवीन योजनाओं का विचार संभव है, व्ययभार अधिक रहेगा.

सिंह- पुकर्क बातें भूलकर काम पर ध्यान दें, जिद छोड़कर कार्य करें, नवीन वस्त्राभूषण उपहार आदि की प्राप्ति होगी, अतिथि आगमन होगा.

कन्या- सहकर्मी भ्रमित करने का प्रयास करेंगे, सहयोग की कमी का अनुभव होगा, शारीरिक सुख मिलेगा, शुभ संदेश प्राप्त होने का योग है, यश मिलेगा.

तुला- भावनात्मक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी, कारोबारी यात्रा का योग है, आय में वृद्धि होगी, पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी, निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

वृश्चिक- व्यापारिक कार्यों में संभल कर फैसला लें, लाभ मिलगा, स्थाई एवं अन्य साधनों में सफ्लता मिलेगी, विशिष्टजनों से संपर्क बढ़ेगा, शारीरिक पीड़ा हो सकती है.

धनु- पुकर्क बातों को भूलकर काम पर ध्यान दें, सफ्लता मिलेगी, आजीविका के प्रयासों में सफ्लता. राजकीय सहयोग, कार्य की अधिकता रहेगी.

मकर- रोजगार में इच्छित अवसरों की तलाश रहेगी, पारिवारिक आयोजन में शामिल होंगे, स्वास्थ्य लाभ होगा, धार्मिक कार्यों से मानसिक संतुष्टि रहेगी.

कुम्भ- राजकीय मामले सुलझेंगे, पूरे मनोयोग से काम करेंगे, खानपान की अनियमितता रहेगी, श्रम से अधिक कार्य करना होगा.

मीन- विपरीत माहौल में समझौता करना हितकर रहेगा, कर्ज से छुटकारा होगा, व्यवहार कुशलता एवं कर्मठता से कार्य पूर्ण होगा, निर्णय पक्षधर ही रहेगा.

SUDOKU 7121

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7120

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1